















**नरवाई जलाई तो नहीं मिलेगा सीएम किसान कल्याण योजना का लाभ,**

# एमएसपी पर फसल उपार्जन भी नहीं करेंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वायु एवं मृदा प्रदूषण की घोटाला के लिए सरकार का निर्णय एक मई से होगा लागू। मध्यप्रदेश स्वामित्व योजना एवं फार्मर इंजिनियर्सी में देश में प्रथम स्थान पर। राजस्व नवायनियन 3.0 में 29 लाख से अधिक राजस्व प्रकरणों का हुआ निश्चिकण।

भोपाल, ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश कृषि आयोरित राज्य है। फसल कठाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने के



मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में समय-समय पर राजस्व महाभियान चलाकर अधिकाधिक मामलों के निराकरण के दिए निर्देश।

मामलों में वृद्धि होने से वायु प्रदूषण सहित कई सरकार पर पर्यावरण को बेबद नुकसान हो रहा है। खेत में आग लगाने से जमीन में उत्तरव्य पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और भूमि की ऊर्जक क्षमता में भी गिरावट आती है। इसके निवान के लिये राज्य दिवस के पर्यावरण को बेबद नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसके लिये राज्य विभाग की हड़ताल को लिखित समर्थन दिया। स्विदा स्वास्थ्य कर्मचारी सभ में जितायाक्ष धर्मवानों का सम्मान करना द्वारा सरकार द्वारा पहले से संविदा नीति जारी की चुनौती है, लेकिन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश उसे अपने कर्मचारियों पर लागू नहीं कर रहा है और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा संविदा मध्यप्रदेश के अमल नहीं कर रहा है। ऐसे में मध्यप्रदेश के 32 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को अपनी मांगों को पूरा कराने लिये इस जानलेनी गयी में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठना पड़ा है। इस मैके पर संगीती भट्ठानार, रेखा शर्मा, ममता चौधरी, पूना शर्मा, रचना परिहार, एवं गायत्री विवाहास, वंदना यादव, राधा राठोर, निर्मल लोधी, सीमा शर्मा, सुनीता पाल, संतिया गुप्ता, सोनेद्र सिंह जादौर, मनोज मिश्र अधिकैक सिक्कावार, एवं एस रीकांडी के मरीजों को दवा नहीं पर रही है। वहीं एक सहित शुक्रवार के अधिक आशोय मादर भी सपूर्ण ग्वालियर

जलाना है तो उसे मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा नरवाई जलाने पर संविदा किसान से अगले साल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसल उपार्जन भी नहीं किया जाएगा। वे समल भवन (मुख्यमंत्री निवास) में राजस्व विभाग की समीक्षा में निर्वित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग की समीक्षा में नहर, कृषि वावड़ियों जैसी लाल संचाराओं को पूर्ण-अंतिक्रमण मुक्त किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को नामांतरण और बैंटवार जैसे राजस्व से जुड़े कार्यों का तय समय सीमा में नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए दिया। साथ ही केंद्र सरकार और राज्य सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन के प्रकरण प्रश्निकार के साथ नियंत्रित करने के लिए चलाए अधियान।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सास्कृतीय भूमि, कुरुं, बावड़ियों एवं गांवों में सार्वजनिक रासों पर अंतिक्रमण हालांकि लिए सख्ती से विशेष अधियान चलाए। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारी अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों का नियमित नियंत्रण करें। नामांतरण, बैंटवार आदि मामलों का नियंत्रण समय सीमा में नियंत्रित होता रहे, यह भी सुनिश्चित किया जाए।

साइबर तहसील परियोजना से मिल रहा बड़ा लाभ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजस्व सहित सभी विभाग डिजिटाइजेशन की दिशा में अग्रसर है। इसका सीधा लाभ प्रदेशवालियों को भिल रहा है, उन्हें अब जरीरी कार्यों के लिए लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ता है। मध्यप्रदेश की साइबर तहसील परियोजना इसी दिशा में किया गया एक नवाचार है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने +प्रधानमंत्री उक्त्याना पुरस्कार+ देकर इसकी सराहना की है। उन्होंने बताया कि साइबर तहसील सकारात्मक परिणाम मिले हैं और किसानों सहित सभी नागरिकों के जीवन में बड़ा बदलाव नहिं आ रहा है। साइबर तहसील 1.0 में अब तक 1 लाख 56 हजार 700 से अधिक और साइबर तहसील 2.0 में अब तक 1 लाख 19 हजार से अधिक प्रकरण नियंत्रित किए जा चुके हैं।

## संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी



संयुक्त एनएम एसोसिएशन ने दिया समर्थन।

ग्वालियर, नर्स। अपनी मांगों को लेकर 22 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे सक्ति एनएम एसोसिएशन की अध्यक्ष विमलश्री शर्मा ने संविदा कर्मचारियों की हड़ताल को लिखित समर्थन दिया। स्विदा स्वास्थ्य कर्मचारी सभ में जितायाक्ष धर्मवानों का सम्मान करना द्वारा पहले से संविदा नीति जारी की चुनौती है, लेकिन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश उसे अपने कर्मचारियों पर लागू नहीं कर रहा है और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा संविदा मध्यप्रदेश के अमल नहीं कर रहा है। ऐसे में मध्यप्रदेश के 32 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को अपनी मांगों को पूरा कराने लिये इस जानलेनी गयी में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठना पड़ा है। इस मैके पर संगीती भट्ठानार, रेखा शर्मा, ममता चौधरी, पूना शर्मा, रचना परिहार, एवं गायत्री विवाहास, वंदना यादव, राधा राठोर, निर्मल लोधी, सीमा शर्मा, सुनीता पाल, संतिया गुप्ता, सोनेद्र सिंह जादौर, मनोज मिश्र अधिकैक सिक्कावार, एवं एस रीकांडी के मरीजों पर लागू है। कई गंभीर रोगों के मरीजों पर इसका प्रतिकूल असर अद्यता दिखाई देने लगा है। जहां एक और हड़ताल के चलते जानने, मरीजों पर हरी रुक्मि व्यवस्था एवं संवर्धन की जांच को देखा जाए तो वह नहीं होता है। वहीं एक और खेतों में संवर्धन की जांच को देखा जाए तो वह नहीं होता है।

## प्रभात फेरी के साथ वल्लभाचार्य जी का प्राकट्य महोत्सव शुरू

गाँधीजी का किया विशेष श्रृंगार, कुणवार हुआ, लगाए छप्पन भोग

ग्वालियर, नर्स। अंतरराष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद के तत्वाधान में जगतगुरु महाप्रभु वल्लभाचार्य जी की तीन दिवसीय 548 वां प्राकट्य महोत्सव गुरुवार के प्रभात फेरी के साथ प्रारंभ हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में वैष्णवजनों एवं महाप्रभु के अनुयायीयों ने भाग लिया। संस्था के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गोवर्ण, महामंत्री मोहनदास अग्रवाल, प्रचार मंत्री यशोराज नारायण एवं अमल नहीं कर रही है। जिसका प्रतिकूल असर अद्यता दिखाई देने लगा है। जहां एक और हड़ताल के चलते जानने, मरीजों पर हरी रुक्मि व्यवस्था एवं संवर्धन की जांच को देखा जाए तो वह नहीं होता है। वहीं एक और खेतों में संवर्धन की जांच को देखा जाए तो वह नहीं होता है।



प्रभात फेरी गिरांज धर्मशाला दौलतगंज से उल्लासपूर्ण माहौल में प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई।

गिरांज धर्मशाला दौलतगंज से उल्लासपूर्ण माहौल में प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई। जो महाराज बाड़ा, सारांगा, पारख जी का बाड़ा होते हुए वैष्णवजनों के साथ प्रारंभ हुई।

गाँधा इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष रामनारायण शर्मा, सहमंत्री पुष्टिमार्गीय संघिन्द्र गंगावल, गोविंद जौरी, आनन्द अग्रवाल रंगवाल, राजेश सोनी, प्रणय सिंघल, कुम्भन अग्रवाल, परवानद अग्रवाल, प्रणय अग्रवाल, डिविंद्र मंगल, मुख्यमंत्री मनहीर अग्रवाल, अकित खड़ेलवाल, जमुनादास पुष्टिमार्गी, लक्षणा दास सिंहल, सौभाग्य देवशर्वी, सुदर्शन गोयल, ग्वालदास अग्रवाल, बुज्जिकोर सिंघल, राजीव गंगावल, राजेश धर्मवानी, रविंद्र सिंघल चौधी, पुष्पा रसोग्नी, सीता नारायण, ममता गोयल, कुंजता अग्रवाल, नेलिमा अग्रवाल, अमिता दवे, रजनी अग्रवाल, राजीव व्यास आदि उपस्थित रहे।

## जल संरक्षण के जन-आ